षिक्षक दिवस के अवसर पर विष्वविद्यालय के 24 षिक्षक सम्मानित

पंतनगर। 5 सितम्बर, 2009। षिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में एक समारोह आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ डा. एस. राधाकृष्णन के छायाचित्र पर कुलपति एवं अन्य उपस्थित जनों द्वारा माल्यार्पण कर किया गया।

डा. बिष्ट ने इस अवसर पर विष्वविद्यालय से इस वर्ष सेवानिवृत्त हो रहे 24 षिक्षकों को माला पहनाकर तथा प्रषस्ति–पत्र, शाल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जिनमें कुमाऊँ विष्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति डा. वी.पी.एस. अरोड़ा भी सम्मिलित थे। डा. बिष्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि षिक्षकों की सेवानिवृत्ति का कोई समय नहीं होता है क्योंकि उनके ज्ञान एवं रचनात्मकता से समाज उनके अंतिम समय तक लाभान्वित होता रहता है। उन्होंने कहा कि समय के साथ षिक्षकों की चुनौतियाँ बदली है तथा समाज की अपेक्षा भी बदल रही है डा. बिष्ट ने यह भी कहा कि आज षिक्षण रोजगार से जुड़ा हुआ है तथा षिक्षण संस्थानों के सामने आत्मनिर्भर बनने की चुनौती भी है। उन्होंने षिक्षकों से इन सभी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए चलने की सलाह दी। डा. बिष्ट ने कहा कि देष के कुल विष्वविद्यालयों की संख्या का छठा भाग कृषि विष्वविद्यालयों का है। इस संदर्भ में उन्होंने देष में सदाबहार हरित क्रांति लाने में यहाँ के षिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

डा. वी.पी.एस. अरोड़ा ने अपने सम्बोधन में षिक्षकों के विषिष्ट गुणों का जिक्र किया तथा कुमाऊँ विष्वविद्यालय के अपने अनुभवों को भी बांटा। अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डा. जे.के. सिंह ने इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए डा. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित षिक्षा आयोग का स्मरण किया तथा पंतनगर विष्वविद्यालय को उनकी संकल्पना का परिणाम बताया। निदेषक संचार डा. बी. कुमार, सह प्राध्यापक कृषि संचार डा. एस.के. कष्यप तथा संचार विभाग के विद्यार्थी श्री प्रभाकर एवं सुश्री योगिता ने डा. राधाकृष्णन को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं का स्मरण किया। कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण डा. ए.के. कर्नाटक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डा. राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते कुलपति पंतनगर विष्वविद्यालय डा. बी.एस. बिष्ट (दाएं) एवं कुलपति कुमाऊँ विष्वविद्यालय डा. वी.पी.एस. अरोड़ा (बाएं)